

न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभीम

17

क्र.सं.	फर्द अहकाम	दिनांक
उ.सं 46/14	तारीख रजु 24.9.14 उन्वान - भारमल बनाम कपसिंह को प्रार्थना पत्र अस्थायी बिषेधाज्ञा	
	प्रार्थी की ओर से श्री सुरेश चन्द शर्मा ने प्रार्थना पत्र अस्थायी बिषेधाज्ञा पेश किया। दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। प्रार्थना पत्र दर्ज बजिस्ट्रार अ.प्रार्थीगण को नोटिस के जरिये तालब किया जाकर पत्रावली दिनांक 20.10.14 को पेश हो। उपजिला कलेक्टर टोडाभीम (कैदौली)	2301-04 26.9.14
24/10	प्रार्थी वकील उपर। अ.प्रार्थीगण की ओर से श्री रामचरारी गुला ने बकालतनामा पेश किया। अ.प्रार्थीगण स्वयं भी उपस्थित हुए। P.O. सी. अग्रण पर पधार है। अस्त जबर दिनांक 17.11.14 को पेश हो।	कपसिंहजीता
17/11	वकूलाय उपर। वैसे जबर 16.12.14 को पेश हो।	पु.स.न.
16/14	वकूलाय उपर। अग्रण के लिए समय पाव दिया जाकर आइवटा दिनांक 6-1-15 को पेश हो।	सुनीतावाइमीना

18.2.16

वकूलाय उप.। बहस हेतु पुनः समप-याहा रिवा
जाता की दिनांक 25.2.16 को पेश हो

25²/₁₆

वकूलाय उपस्थित/पीठासन अधिकारी समण
पर पथी है। अतः पत्रावली गतानुसार
दिनांक 29-2-16 को पेश हो।

28.2.16

वकूलाय उप.। बहस वकील उमपपसकी
गर्ज/प्रार्थी वकील ने अपनी बहसमें
दिपा दि गुम गोरडा की भूमिखसरा नक

$\frac{272}{0.12}$, $\frac{276}{0.03}$ प्रार्थीगण की खतेदारी एवं पदज

कारत की भूमि है जिसे उत्तिदीगण का
कोई संबंध नहीं है। इसलिए गोरडापलान

का तादादा फैसला अस्पष्ट निषेधाशासे
पाबंद प्रमाया जावे। वकील प्रार्थी ने

अपनी बहस में रिवाड का अवलोकन कोस
का व्यपन किया। वकील उमपपसकी

बहसपा मन किया। पत्रावली में शामिल
रिवाड का अवलोकन किया। जमाबंदी समल

2066-68 के बारा संख्या 156 में वर्णित भूमि
ख.नं. 272, 276 प्रार्थीगण की खतेदारी में

गोरडापलान का इससे कोई संबंध नहीं है
नाहि इन्होंने कोई दस्तावेज/सबूत की

न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभीम

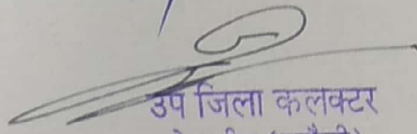
3

क

फर्द अहकाम

पेश दिने की दल: प्रार्थनापत्र आस्थाई निषेधाज्ञा
 लापलान स्वीकृत किया जाता है तथा उन्हे
 दावा फ़ैसला आस्थाई निषेधाज्ञा से बाँधे किया
 जाता है कि गुप्त जोरडा की श्रमिखं नं. $\frac{272}{0.12}$
 $\frac{276}{0.03}$ में सामान के कब्जे काशत में मजागहल
 मदाफलत नहीं रहे। लापलान को बेदखल कर
 दया जान ही कर। पत्रावली फ़ैसल शुभ्रण होय
 जयसे कम होय। दावा पत्रावली के साथ संलग्न
 रहे।

निर्णय आज दिनांक 28.2.16 को खुले
 न्यायालय में सुनाया गया।


 उप जिला कलेक्टर
 टोडाभीम (स्करौली)